LEARN BSEB

SUB:- BIOLOGY

CLASS-10TH

1. जैव प्रक्रम

- वे सभी प्रक्रम जो संयुक्त रूप से जीव के अनुरक्षण का कार्य करते है , जैव प्रक्रम कहलाते है |
- भोजन ग्रहण करना , पचे भोजन का अवशोषण एवं शरीर द्वारा अनुरक्षण के लिए उसका उपयोग पोषण कहलाता है
- पोषण दो प्रकार के होते है स्वपोषी पोषण विषमपोषी पोषण
- स्वपोषी पोषण हरे पौधे में तथा कुछ जीवाणुओं जो प्रकाश संश्लेषण कर सकते है
- पत्ती की सतह पर जो सूक्ष्म छिद्र होते है उन्हें रन्ध्र कहते है
- पोषण प्रक्रम के दौरान ग्रहण की गई खाद समाग्री का उपयोग कोशिकाओ में होता है जिसमे विभिन्न जैव प्रक्रमों के लिए ऊर्जा प्राप्त होती है | ऊर्जा उत्पादन के लिए कोशिकाओं में भोजन के विखंडन को कोशिकीय श्वसन कहते है

2. नियंत्रण एवं समन्वय

- सभी जंतुओं में दो मुख्य तंत्रो द्वारा किया जाता है
- जैव कार्यो के सफल संचालन हेतु सभी जीवो के अंगो एवं अंग तंत्र का समन्वय तथा नियंत्रण जरूरी है |
- पौधा में तंत्रिका तंत्र नहीं है
- मानव मस्तिष्क शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग होता है
- सभी प्राणियों को तंत्रिका तंत्र आदि विशिस्ट प्रकार की कोशिकाओ से बनता है , जिन्हे तंत्रिका कोशिका कहते है
- मानव का तंत्रिका तंत्र दो भाग में विभाजित किया गया है 1. केंद्रीय तंत्रिका तंत्र 2. परिधीय तंत्रिका तंत्र

3. जीव जनन कैसे करते है

- जनन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा सजीव अपने जैसे नए जीव उत्पन्न करते है

LEARN BSEB

- कोशकी के केंद्र में पाए जाने वाले गुणसूत्रों को डी. एन. ए. के अणुओं के अनुवांशिक गुण कहते है
- प्रजनन के दो प्रकार है 1. लैंगिक प्रजनन 2. अलैंगिक प्रजनन
- एकल जीव नए जीव उत्पन्न करता है | उसे अलैंगिक प्रजनन कहते है
- दो एकल जीव (एक नर एवं एक मादा) मिलकर नया जीव उत्पन्न करते है उसे लैंगिक प्रजनन कहते है
- इस प्रक्रम में एक कोशिका दो या दो से अधिक कोशिकाओं में विभाजित हो जाती है उसे विखंडन कहते है

4. आनुवंशिकता एवं जैव विकास

- जिन :- मेंडल ने जिन को ' कारक ' ' अथवा ' फैक्टर कहा | जीन अनुवांशिक की इकाई है
- आनुवंशिकता :- जनको से उनके संतानो में पीढ़ी -दर - पीढ़ी युग्मको के माध्यम से पैतृक गुणों का संचरण अनुवांशिकता कहलता है
- जैव विकास :- पृथ्वी पर वर्तमान जटिल प्राणियों का विकास प्रारंभ में पाए जाने वाले सरल प्राणियों में परिस्थिति और वातावरण के अनुसार होने वाले परिवर्तनों के कारन हुआ | सजीव जगत में होने वाले इस परिवर्तन को जैव विकास कहते है

LEARN BSEB